



# भारत का राजपत्र The Gazette of India

असाधारण  
EXTRAORDINARY

भाग II—खण्ड 3—उप-खण्ड (1)  
PART II—Section 3—Sub-section (1)

प्राधिकार से प्रकाशित  
PUBLISHED BY AUTHORITY

424] नई दिल्ली, बुधवार, अक्टूबर 28, 1992/कार्तिक 6, 1914  
No. 424] NEW DELHI, WEDNESDAY, OCTOBER 28, 1992/KARTIKA 6, 1914

इस भाग में भिन्न पृष्ठ संख्या दी जाती है जिससे कि यह अलग संकलन के रूप में  
रखा जा सके

Separate Paging is given to this Part in order that it may be filed as a  
separate compilation

समाचार मंत्रालय  
(दूर समाचार विभाग)  
अधिसूचना

नई दिल्ली, 28 अक्टूबर, 1992

रा.फा.नि. 830 (घ) :—केन्द्रीय सरकार, भारतीय तार अधि-  
नियम, 1885 (1885 का 13) की धारा 7 द्वारा प्रवृत्त शक्तियों का  
प्रयोग करते हुए, भारतीय तार नियम, 1951 का और संशोधन करने  
के लिए निम्नलिखित नियम बनाती है, अर्थात् :—

1. (1) इन नियमों का मन्विष्ट नाम भारतीय तार (चतुर्थ संशोधन)  
नियम 1992 है।

(2) ये 1 नवम्बर, 1992 को प्रवृत्त होंगे।

2. भारतीय तार नियम, 1951 (जिसे इनमें इनके पञ्चम "उक्त  
नियम" कहा गया है) के नियम 434 में,—

(i) अनुभाग IX में, उप अनुभाग 1 में, मद (ब) के स्थान पर निम्न-  
लिखित भव रखी जाएगी, अर्थात् :—

"(ब) गहूरी निजी तार (रिलेसेट) प्रति किलोमीटर प्रसार्य दूरी के लिए  
के साथ या रिले सेट के प्रति वर्ष प्रति जोड़ा पन्द्रह सौ  
बिना) रूपए";

(ii) अनुभाग IX में, उप अनुभाग 1 के परंतुक में, "उपरोक्त उक्त  
मद (iii) के अर्जन माने वाले" शब्दों के स्थान के पर "पंच किलोमीटर  
से अधिक प्रसार्य दूरी वाले" शब्द रखे जाएंगे ;

(iii) अनुभाग X में, उप अनुभाग 1 के स्थान पर, निम्नलिखित  
उप अनुभाग रखा जाएगा, अर्थात् :—

"प्रति जोड़ा वार्षिक किराया प्रति किलोमीटर प्रसार्य दूरी के  
लिए पन्द्रह सौ रूपए।"

(iv) अनुभाग X में, उप अनुभाग 1 के परंतुक में, "उपरोक्त मद (ग)  
के अर्जन माने वाले" शब्दों के स्थान पर "पंच किलोमीटर  
से अधिक प्रसार्य दूरी वाले" शब्द रखे जाएंगे ,

(v) अनुभाग XVI में, खंड (ख) का लोप किया जाएगा ;

(vi) अनुभाग XVII में, खंड (ख) के अन्तर्गत, निम्नलिखित खंड जोड़ा  
जाएगा, अर्थात् :—

"(ग) समाचार पत्र स्थापनों और समाचार एजेंसियों को पेटे पर  
दिए गए अनुलिपि सर्किटों के लिए प्रभार उपरोक्त खंड (ख) में उल्लिखित  
सामान्य प्रभागों के एक-निहाई होंगे परन्तु यह तब जब कि अनुलिपि सर्किट का  
उपयोग केवल समाचारों के प्रसारण के लिए किया जाता है।"

3. उक्त नियमों के नियम 473 में, खंड (3) के पश्चात् निम्न विहित खंड, उसके नीचे टिप्पण और स्पष्टीकरण जोड़ा जाएगा, अर्थात् :—

- (i) “(4) तार प्राधिकरण, विनिर्दिष्ट अनुरोध पर, प्रत्येक मामले के आधार पर विचार करने के पश्चात्, पट्टे पर दो गई लाइनों पर नेटवर्क अनुज्ञात करके एक ही पक्षकार के दो से अधिक कार्यालयों या परिसरों के बीच दोनों में से एक छोर पर, संचार के लिए विशेष दूरों पर तार और टेलीफोन सर्किट की व्यवस्था करने की अनुज्ञा दे सकेगा।

टिप्पण :—उपरोक्त खंड में प्रयुक्त “टेलीफोन सर्किट” शब्दों में वाकू, डाटा या श्रुतिपरिप्रेषण के लिए प्रयोग में लाए जाने वाले टेलीफोन सर्किट सम्मिलित हैं।

स्पष्टीकरण :— इस अनुभाग के प्रयोजनार्थ, किराया के दूर संचार सर्किट, जब किसी स्थान पर किसी एक उपस्कर या अंतःसंयोजित उपस्करों के किसी मंड पर एक से अधिक सर्किट जोड़े जाते हैं, “नेटवर्क पद्धति” में कार्य कर रहे माने जाते हैं।”

4. उक्त नियमों के नियम 483 में, उपनियम (2) में “अंतःसंयोजित आधार पर” शब्दों के पश्चात् “समाचार-पत्र स्थापनों या समाचार ऐजेंसियों को” शब्द अंतःस्थापित किए जाएंगे।

5. उक्त नियमों के नियम 493 में,—

- (i) उपनियम (1) में, “एक सौ पच्चीस रुपए” शब्दों के स्थान पर “दो सौ रुपए” शब्द रखे जाएंगे ;
- (ii) उपनियम (1) के पश्चात् द्वितीय परंतुक के स्थान पर, निम्नलिखित रखा जाएगा, अर्थात् :—“परन्तु यह और कि लम्बी दूरी के तार सर्किट के प्रत्येक छोर पर दिया गया स्थानीय तार सर्किट और स्थानीय लीड प्रति किलोमीटर या उसके भाग के लिए प्रति वर्ष बारह सौ रुपए की दर पर प्रभाव्य होगा।”;
- (iii) उपनियम (1) में, द्वितीय परंतुक के पश्चात् आने वाले स्पष्टीकरण 1 का लोप किया जाएगा।
- (iv) उपनियम (1) में, स्पष्टीकरण 1 का लोप करने के पश्चात्, अर्थात् स्पष्टीकरण—2 को “स्पष्टीकरण—1” के रूप में पुनः संख्यांकित किया जाएगा; और उसके इस प्रकार पुनः संख्यांकित किए जाने के पश्चात्, उसमें आने वाले “125” अंक के स्थान पर “200” अंक रखा जाएगा।

- (v) उपनियम (2) में, “ब्यालीस रुपए” शब्दों के स्थान पर “सड़सठ रुपए” शब्द रखे जाएंगे।

6. उक्त नियमों के नियम 493 में,—

- (i) मंत्र (ii) में, उक्त मंत्र (क) और (ख) के अधीन आने वाले “200 रुपए” और “67 रुपए” शंको और शब्दों के स्थान पर, क्रमशः “300 रुपए” और “100 रुपए” शंको और शब्द रखे जाएंगे।
- (ii) मंत्र (ii) के नीचे उप मंत्र (ख) में वर्णित स्थान पर निम्नलिखित रखा जाएगा, अर्थात् :—

“परन्तु उपरोक्त उक्त सर्किट टेलीग्राफ सर्किट के प्रत्येक छोर पर, दिए गए स्थानीय तार सर्किट और स्थानीय लीड प्रति किलोमीटर या उसके भाग के लिए बारह सौ रुपए प्रति वर्ष की दर पर प्रभाव्य होगी।”

7. उक्त नियमों के नियम 493 के पश्चात् निम्नलिखित अंतःस्थापित किया जाएगा, अर्थात् :—

“493ख. भंडार और ग्राम तार सर्किट के लिए किराया :—

भंडार और ग्राम तार सर्किटों के लिए किराया निम्न प्रकार होगा, अर्थात् :—

“(1) (क) एक हजार से अनाधिक सात सौ पचास रुपए प्रति किलो-किलोमीटर प्रभाव्य दूरी के लिए मीटर प्रति वर्ष की दर से।

(ख) एक हजार से अधिक किलो- किराया 1000 किलोमीटर के मीटर प्रभाव्य दूरी के लिए अनुमानित प्रत्येक अतिरिक्त किलोमीटर या उसके भाग के लिए तीन सौ पचास रुपए, किंतु अधिकतम 1500 किलो-मीटर प्रभाव्य दूरी के अनुसार ;

(2) इसके अतिरिक्त, टेलीग्राफ नेटवर्क के लिए भंडार और ग्राम तार/संयोजित स्विचिंग उपस्कर के लिए निम्नलिखित किराया भी संवेद्य होगा, अर्थात् :—

- (i) 16 एक्स्टेंशन की संज्ञित प्रत्येक हजार रुपए प्रति वर्ष।
- (ii) 16 एक्स्टेंशन में प्रत्येक की प्रत्येक एक्स्टेंशन (i) के अनुसार तथा प्रत्येक अतिरिक्त 16 एक्स्टेंशन या उससे अधिक की अमिता के लिए पांच हजार रुपए प्रति वर्ष।”

8. उक्त नियमों के नियम 495 के स्थान पर निम्नलिखित रखा जाएगा, अर्थात् :—

“495. सार्वजनिक दूर संचार नेटवर्क के साथ अंतःसंयोजन :—

- (1) ऐसे टेलीफोन सर्किट को, जो केवल स्वर संचार के लिए किराया पर दिया गया है/दिए गए हैं, किसी भी परिस्थिति में सार्वजनिक दूर संचार नेटवर्क से संयोजित नहीं किया जाएगा।
- (2) तार प्राधिकरण, विनिर्दिष्ट अनुरोध पर, डाटा संचार के लिए किराया पर दिए गए सर्किट को, केवल पट्टाकृत डाटा सर्किट के माध्यम से दूरसंचार विभाग के सार्वजनिक डाटा नेटवर्क से संयोजित करने के लिए विशेषतः विहित दूरों पर अनुज्ञात कर सकेगा।
- (3) तार प्राधिकरण, पट्टाकृत डाटा सर्किट को सार्वजनिक दूर संचार नेटवर्क से संयोजित करने के लिए विशेषतः विहित दूरों पर अनुज्ञात कर सकेगा।”

9. उक्त नियमों के नियम 496 में,—

- (i) उपनियम (1) के खंड (क) के स्थान पर निम्नलिखित रखा जाएगा, अर्थात् :—

“(1) यदि कोई टेलीफोन सर्किट पूर्णरूप से निश्चित तारों या चैनलों का प्रयोग करके प्रदान किया गया हो तो इसके प्रकार निम्न प्रकार से परिकल्पित किए जाएंगे और साथ ही कम से कम तीन मामलों में गारंटी होगी, अर्थात् :—

(क) बिन्दु से बिन्दु तक :—

- (1) 1000 किलोमीटर से अना- छह सौ रुपए प्रति किलोमीटर प्रति वर्ष।
- (ii) 1000 किलोमीटर से अधिक . 1000 किलोमीटर के अनुसार तथा अधिकतम 1500 किलोमीटर के अधीन रहते हुए 1000 किलो-मीटर से अधिक पर प्रत्येक अतिरिक्त किलोमीटर या उसके भाग के लिए तीन सौ रुपए प्रति वर्ष।

(ख) एक पक्षीय नेटवर्क पद्धति :—

- (i) 1000 किलोमीटर से अनाधिक सात सौ पचास रुपए प्रति किलो-मीटर प्रति वर्ष।

(ii) 1000 किलोमीटर से अधिक 1000 किलोमीटर के अनुसार तथा 1500 किलोमीटर के अन्तर्गत रहते हुए, 1000 किलोमीटर से अधिक पर प्रत्येक अतिरिक्त किलोमीटर या उसके भाग के लिए तीन सौ पच्चीस रुपये, प्रति किलोमीटर प्रति वर्ष।

(ii) इस प्रकार प्रतिस्थापित उपनियम (1) के खंड (क) के पश्चात् पहले परन्तुक के स्थान पर निम्नलिखित रखा जाएगा, अर्थात् :—

“परन्तु बिन्दु से बिन्दु सर्किट के प्रत्येक जोड़े के लिए स्थानीय टेलेफोन सर्किट और टेलेफोन सर्किट के किसी भी छोर पर लीड को बारह सौ रुपये, प्रति किलोमीटर प्रति वर्ष की दर से और एक पक्षीय नेटवर्क पद्धति सर्किट के प्रत्येक जोड़े के लिए पच्चीस रुपये प्रति किलोमीटर प्रति वर्ष की दर से प्रभारित किया जाएगा”।

(iii) इस प्रकार प्रतिस्थापित उपनियम (1) के पश्चात् पहले परन्तुक के नीचे के स्पष्टीकरण का शेष किया जाएगा ;

(iv) उपनियम (1) के खंड (ख) को खंड (ग) के रूप में पुनःअक्षरान्वित किया जाएगा ;

(v) उपनियम (3) के स्थान पर निम्नलिखित रखा जाएगा, अर्थात् :—

“(3) उपनियम (1) के खंड (क) और खंड (ख) में विनिर्दिष्ट दरें, रेल और नहर प्रशासन के उपयोग के लिए दिए गए टेलेफोन सर्किटों को लागू नहीं होंगी।” ;

10. उक्त नियमों के नियम 496 के पश्चात् निम्नलिखित जोड़ा जाएगा, अर्थात् :—

“496 क (1) बिन्दु से बिन्दु तक और 9.6 किलोवोल्ट्स प्रति सेंकंड (के बी पी एस) तक की गति के एक पक्षीय नेटवर्क पद्धति वाले पट्टाकृत लम्बी दूरी डाटा सर्किटों के लिए प्रभार नियम 496 के उपनियम (1) के खंड (क) में विनिर्दिष्ट प्रभारों के 1.25 गुना पर उद्गृहीत किए जाएंगे ;

परन्तु स्थानीय डाटा सर्किट और लम्बी दूरी डाटा सर्किट के प्रत्येक छोर पर वी गई लीड नियम 434 के अनुभाग IX के उप अनुभाग 1 (ख) के अधीन निजी तारों के लिए लागू दरों पर प्रत्येक जोड़े के लिए प्रभारित होगी ;

परन्तु यह और कि उक्त दर तब लागू होगी जब सर्किट विद्यमान तारों और जैतनों को प्रयोग करते हुए दिया गया है और अन्य सभी मामलों में निर्माण लागत और अन्य सुसंगत व्ययों को ध्यान में रखते हुए किराये की विशेष दर, तार प्राधिकरण द्वारा प्रभारित की जा सकेगी।

टिप्पण : 9.6 किलोवोल्ट्स प्रति सेंकंड (के बी पी एस) सर्किटों के लिए सर्किट के प्रत्येक छोर के लिए बीस हजार रुपये का एक गुना अतिरिक्त अनुकूलन प्रभार (अप्रतिदेय) उद्गृहीत किया जाएगा।

(2) समाचार पत्र स्थापनों और समाचार ऐजेंसियों के लिए दिए गए सर्किट :

(1) समाचार स्थापनों और समाचार ऐजेंसियों को पट्टे पर दिए गए डाटा सर्किट के लिए प्रभार नियम 496 क के उपनियम (1) में विनिर्दिष्ट सामान्य प्रभारों के एक तिहाई होंगे परन्तु यह तब जब कि सर्किट का उपयोग केवल समाचारों के प्रसारण के लिए किया जाता है।

(3) संस्थापन और परीक्षण प्रभार तार प्राधिकरण अधिदाता द्वारा दिए जाने वाले विधि जान बाने।

#### I. निम्नलिखित गति के लिए

(क) 2400 बी पी एस तक	2000/- रुपये.	800/- रुपये.
(ख) 4800 बी पी एस तक	3000/- रुपये.	800/- रुपये.
(ग) 9600 बी पी एस तक	4000/- रुपये.	1200/- रुपये.

#### II. गति के लिए तार प्राधिकरण द्वारा दिए गए मोडेम के लिए

वार्षिक किराया :

(क) 2400 बी पी एस तक	5000 रुपये. प्रति जोड़ा
(ख) 4800 बी पी एस तक	7000 रुपये. प्रति जोड़ा
(ग) 9600 बी पी एस तक	9000 रुपये. प्रति जोड़ा

टिप्पण : मोडेम के लिए भाड़े की म्यूनतम अवधि एक वर्ष होगी।

11. उक्त नियमों के नियम 498 के उपनियम (1) में, “अंशकालिक आधार पर” शब्दों के पश्चात् “समाचार पत्र स्थापनों या समाचार ऐजेंसियों को” शब्द अन्तर्भ्यापित किए जाएंगे।

[सं. 4-26/89-भार]

श्री प्रभाकर बगने, अध्यक्ष, दूर संचार आयोग और सचिव, भारत सरकार

पाठ टिप्पण : तारीख 1-9-84 तक संशोधित मूल नियम डाक तार विभाग की नियम पुस्तिका खंड (1) के, विधायी अधिनियम भाग 2 छटा संस्करण द्वारा प्रकाशित किए गए थे जिनकी निम्नलिखित द्वारा पश्चात्कर्तों संशोधन किया गया :—

1. सा.का.नि. 553 (अ) तारीख 27-3-1986
2. सा.का.नि. 1237 (अ) तारीख 28-11-1986
3. सा.का.नि. 377 (अ) तारीख 9-4-1987
4. सा.का.नि. 837 (अ) तारीख 5-10-1987
5. सा.का.नि. 989 (अ) तारीख 17-12-1987
6. सा.का.नि. 337 (अ) तारीख 11-3-1988
7. सा.का.नि. 361 (अ) तारीख 21-3-1988
8. सा.का.नि. 626 (अ) तारीख 17-5-1988
9. सा.का.नि. 811 (अ) तारीख 15-6-1988 (शुद्धिपत्र)
10. सा.का.नि. 734 (अ) तारीख 24-6-1988
11. सा.का.नि. 812 (अ) तारीख 26-7-1988
12. सा.का.नि. 907 (अ) तारीख 7-9-1988
13. सा.का.नि. 916 (अ) तारीख 9-9-1988
14. सा.का.नि. 1054 (अ) तारीख 2-11-1988
15. सा.का.नि. 1169 (अ) तारीख 12-12-1988 (शुद्धिपत्र)
16. सा.का.नि. 865 (अ) तारीख 29-9-1989
17. सा.का.नि. 413 (अ) तारीख 29-3-1990
18. सा.का.नि. 933 (अ) तारीख 3-12-1990
19. सा.का.नि. 935 (अ) तारीख 20-12-1990
20. सा.का.नि. 237 (अ) तारीख 25-4-1991 (शुद्धिपत्र)
21. सा.का.नि. 251 (अ) तारीख 2-5-1991 (शुद्धिपत्र)
22. सा.का.नि. 543 (अ) तारीख 21-5-1992
23. सा.का.नि. 587 (अ) तारीख 10-6-92
24. सा.का.नि. 730 (अ) तारीख 19-8-92 (शुद्धिपत्र)

## MINISTRY OF COMMUNICATIONS

(Department of Telecommunications)

## NOTIFICATION

New Delhi, the 28th October, 1992.

G.S.R. 830(E).—In exercise of the powers conferred by section 7 of the Indian Telegraph Act, 1885 (13 of 1985), the Central Government hereby makes the following rules further to amend the Indian Telegraph Rules, 1951, namely:—

1. (1) These rules may be called the Indian Telegraph (Fourth Amendment) Rules, 1992.

(2) They shall come into force on the 1st day of November, 1992.

2. In rule 434 of the Indian Telegraph Rules, 1951 (hereinafter referred to as the 'said rules'),—

(i) in Section IX, in sub-section 1, for item (b) the following item shall be substituted, namely:—

"(b) External Private wires : Rs. fifteen hundred per kilometre chargeable distance per annum per pair;"

(ii) in Section IX, in the proviso to sub-section 1, for the words "covered under sub-item (iii) above," the words "exceeding five kilometres of chargeable distance" shall be substituted;

(iii) in Section X, for sub-section 1, the following sub-section shall be substituted, namely:—

"Annual rental per pair Rs. fifteen hundred per kilometre of chargeable distance;"

(iv) in Section X, in the proviso to sub-section 1, for the words "covered under item C above", the words, "exceeding five kilometres of chargeable distance" shall be substituted;

(v) in Section XVI, clause (b) shall be deleted.

(vi) in Section XVII, after clause (b), the following clause shall be added, namely:—

"(C) The charges for facsimile circuits leased to News Paper Establishments and News Agencies shall be one third of the normal charges mentioned in clause (b) above, provided the facsimile circuit is used only for dissemination of news."

3. In rule 473 of the said rules, after clause (3) the following clause, the Note below it, and the Explanation shall be added, namely:—

(i) "(4) The Telegraph Authority may, on specific requests, having been considered on case to case basis, permit provision of telegraph and telephone circuits for communication between more than two offices or premises of the same party at either end, by

allowing networking on leased lines, at special rates.

Note : The words 'telephone circuits' used in above clause include the telephone circuits used for speech, data or facsimile transmission.

Explanation —For the purposes of this section, the rented telecom circuits are treated as working in 'Networking mode' when more than one circuit is connected on a piece of equipment or on a set of interconnected equipments at a site".

4 In rule 483 of the said rules, in sub-rule (2), after the words "in such cases as may be necessary, provide telegraph circuits", the words, "to Newspaper Establishments or News Agencies," shall be inserted.

5. In rule 493 of the said rules,—

(i) in sub-rule (1), for the words "one hundred and twenty five rupees", the words "two hundred rupees" shall be substituted;

(ii) after sub-rule (1), for the second proviso the following shall be substituted, namely:—  
"Provided further that the local telegraph circuit and the local lead provided at each end of the long distance Telegraph Circuit shall be chargeable at the rate of Rs. twelve hundred per kilometre or part thereof per annum.";

(iii) in sub-rule (1), the Explanation I coming after second proviso shall be omitted;

(iv) in sub-rule (1), after the omission of Explanation-I, the other Explanation-II shall be renumbered as 'Explanation-I'; and after it being so renumbered, for the figure "125" occurring therein, figure "200" shall be substituted;

(v) in sub-rule (2), for the words "forty two rupees" the words "sixty seven rupees" shall be substituted

6 In rule 493 A of the said rules,—

(i) in item (ii), for the letters and figures "Rs. 200" and "Rs. 67" appearing under sub items (a) and (b), the letters and figures "Rs. 300" and "Rs. 100" shall be substituted respectively;

(ii) for the proviso, under item (ii), sub item (b) the following shall be substituted, namely:—

"Provided that the local telegraph circuit and the local lead provided at each end of the aforesaid high speed telegraph circuit shall be chargeable at the rate of Rs. twelve hundred per kilometre or part thereof per annum."

7. After rule 493A of the said rules, the following shall be inserted, namely :—

“493 B. Rent for Store and Forward Telegraph Circuits—The rental for Store and Forward Telegraph circuits shall be as follows, namely :—

“(1) (a) For not exceeding one thousand kilometres chargeable distance. At the rate of Rs. Seven hundred fifty per kilometre per annum.

(b) Exceeding one thousand Kilometres of chargeable distance. Rental as for 1000 Kilometres plus Rs. three hundred seventy five per kilometre per annum for each additional kilometre or fraction thereof, subject to a maximum as for 1500 kilometres chargeable distance ;

(2) In addition, the following charges shall also be payable for Store and Forward Telegraph/Message switching equipment for the teleprinter networks, namely :—

(i) Upto an equipped capacity of 16 extensions. Rs. ten thousand per annum.

(ii) More than 16 extensions capacity. Charges as for (i) above plus Rs. five thousand per annum per additional 16 extensions capacity or part thereof.”

8. For rule 495 of the said rules, the following shall be substituted, namely :—

“495. Interconnection with Public Telecom Network :—

(1) Telephone circuit(s), rented for Voice Communication only, shall not in any circumstances be connected to the Public Telecommunication Network.

(2) The Telegraph Authority may, on specific request, allow circuits rented for data communication, to be connected to Public Data Network of Department of Telecommunications, through leased data circuits only, at specially prescribed rates.

(3) The Telegraph Authority may allow a network of leased data circuits to be connected to general Public Telecom Network at specially prescribed rates.

9. In rule 496 of the said rules,—

(i) for clause (a) of sub-rule (1), the following shall be substituted, namely :—

“(1) When a telephone circuit is provided wholly by utilising existing wires or channels, the rentals shall be calculated as given below, with a minimum guarantee period of three months, namely :—

(a) Point to Point :—

(i) Not exceeding 1000 kilometres chargeable distance. Rs. six hundred per kilometre per annum

(ii) Exceeding 1000 kilometres chargeable distance. As for 1000 kilometres plus Rs. three hundred per kilometre per annum for each additional Kilometre or fraction thereof beyond 1000 kilometres, subject to a maximum as for 1500 kilometres.

(b) Single Party Network Mode :

(i) Not exceeding 1000 kilometres chargeable distance. Rs. seven hundred fifty per kilometre per annum.

(ii) Exceeding 1000 kilometres chargeable distance. As for 1000 kms plus Rs. three hundred seventy five per kilometre per annum for each additional Kilometre or fraction thereof beyond 1000 kilometres, subject to a maximum as for 1500 kilometres.

(ii) after clause (a) of sub-rule (1), so substituted, for the first proviso the following shall be substituted, namely :—

“Provided that the local telephone circuit and the lead at either end of the telephone circuit shall be charged at the rate of Rs. twelve hundred kilometres per annum per pair for point to point circuits and at the rate of Rs. fifteen hundred per kilometre per annum per pair for Single Party Network Mode circuits.”;

(iii) the Explanation below the first proviso after sub-rule (1) so substituted, shall be deleted;

(iv) Clause (b) of sub-rule (1) shall be re-lettered as Clause (c);

(v) for sub-rule (3), the following shall be substituted, namely :—

“(3) The rates specified in clauses (a) and (b) of sub-rule (1) shall not apply to telephone circuits provided for the use of Railways and Canal Administrations.”

10. After rule 496 of the said rules the following shall be added, namely :—

“496A. (1) The charges for point to point and single party network mode leased long distance data circuits of speed upto 9.6 kilo bits per second (kbps) shall be levied at 1.25 times the charges specified in clause (a) of sub-rule (1) of rule 496 :

Provided that the Local data circuit and the Local lead provided at each end of the long distance data circuit shall be chargeable per pair at the rates applicable for Private Wires under Sub-section 1(b) of Section IX of rule 434 :

Provided further that the said rate shall apply if the circuit is provided by utilising existing wires or channels and that in all other cases special rates of rentals may be charged by the Telegraph Authority taking into account the cost of construction and other relevant factors.

Note : One time additional conditioning charge (non-refundable) of Rs. twenty thousand for each end of the circuit shall be levied for 9.6 kilo bits per second (kbps) circuits.

(2). Circuits provided for Newspaper Establishments and News Agencies :

(i) The charges for Data Circuits leased to Newspaper Establishments and News Agencies shall be one-third of the normal charges specified in sub-rule (1) of rule 496-A provided that the circuits are used only for dissemination of news.

(3) Installation and Testing Charges:-	Provided by Telegraph Authority	Provided by subscriber
--	---------------------------------	------------------------

I. For speeds,

(a) Upto 2400 bps	Rs. 2000	Rs. 800
(b) 4800 bps	Rs. 3000	Rs. 800
(c) 9600 bps	Rs. 4000	Rs. 1200

II. Annual Rental for the Modems provided by the Telegraph Authority for speeds,

(a) Upto 2400 bps	Rs. 5000	per pair
(b) 4800 bps	Rs. 7000	per pair
(c) 9600 bps	Rs. 9000	per pair

Note : The Minimum period of hire for Modems shall be one year."

11. In rule 498 of the said rules, in sub-rule (1), after the words "may be leased", the words "(to Newspaper Establishments or News Agencies)" shall be inserted.

[No. 4-26/89-R]

H. P. WAGLE, Chairman,  
Telecom Commission & Secy.  
to the Government of India

FOOT NOTE :—The principal rules (as amended up to 1-9-84 have been published in the P&T Manual Volume 1. Legislative Enactments, Part II, Sixth Edition, these have subsequently been amended as under :—

1. GSR 553(E), dated 27-3-1986.
2. GSR 1237(E), dated 28-11-1986.
3. GSR 377(E), dated 9-4-1987.
4. GSR 837(E), dated 5-10-1987.
5. GSR 989(E), dated 17-12-1987.
6. GSR 337(E), dated 11-3-1988.
7. GSR 361(E), dated 21-3-1988.
8. GSR 626(E), dated 17-5-1988.
9. GSR 811(E), dated 15-6-1988 (Corrigendum)
10. GSR 734(E), dated 24-6-1988.
11. GSR 812(E), dated 26-7-1988.
12. GSR 907(E), dated 7-9-1988.
13. GSR 916(E), dated 9-9-1988.
14. GSR 1054(E), dated 2-11-1988.
15. GSR 1169(E), dated 12-12-1988 (Corrigendum)
16. GSR 865(E), dated 29-9-1989.
17. GSR 413(E), dated 29-3-1990.
18. GSR 933(E), dated 3-12-1990.
19. GSR 985(E), dated 20-12-1990.
20. GSR 237(E), dated 25-4-1991 (Corrigendum)
21. GSR 251(E), dated 2-5-1991 (Corrigendum)
22. GSR 543(E), dated 21-5-1992.
23. GSR 587(E), dated 10-6-1992
24. GSR 730(E), dated 19-8-1992 (Corrigendum).